Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH faculty receives project to conduct research on Hypovitaminosis D

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 08-11-2022**

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेवि की टीम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 08-11-2022**

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या के समाधान खोजेगी टीम

हकेंविवि : अनुसंधान के लिए 30 लाख रुपये की मिली स्वीकृति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रो. डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा।

डॉ. अनिता कुमारी।

बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है।

तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है।

इस परियोजना के तहत विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण ी के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 08-11-2022**

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेवि की टीम

हकेवि की डॉ. अनीता कुमारी को मिला एचएससीएसआईटी से प्रोजेक्ट

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है। इस परियोजना के तहत विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-11-2022**

अनुसंधान व विकास परियोजना के लिए 30 लाख की स्वीकृति

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी (एचएससीएसआइटी) ने 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआइटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डा. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन-डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डा. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआइटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा विज्ञानियों के माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की लड़कियों में हाइपोविटमोनिस-डी के प्रसार व लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से स्थायी समाधान का आकलन करना है।

इस परियोजना के तहत विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

डा. अनीता कुमारी

हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी ने हकेंवि की डा. अनीता कुमारी को दी है अनुदान राशि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 08-11-2022**

किशोरियों में विटामिन-डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेंवि की टीम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन-डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस-डी के प्रबंधन के लिए विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस-डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है। इस परियोजना के तहत विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. क्रांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

■ हकेंवि की डॉ. अनीता कुमारी को मिला एचएससीएसआईटी से प्रोजेक्ट

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 08-11-2022**

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेंवि की टीम

■ डॉ. अनीता कुमारी को मिला एच.एस.सी.एस.आई.टी. से प्रोजेक्ट

महेंद्रगढ़, 7 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रो. डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टैक्नोलॉजी (एच.एस.सी.एस.आई.टी.) ने 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है।

डॉ. अनीता।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एच.एस.सी. एस.आई.टी. से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा।

बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाईपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। 3 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना एच.एस.सी.एस.आइ.टी. का मुख्य कार्य

एच.एस.सी.एस.आई.टी. का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाईपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है।

इस परियोजना के तहत विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।